Today's Poem – 14.07.2014

कलंगीधर बनने के लिए बनो अचल अडोल

बाबा के बोल अनमोल

शान्ति में रहना

एक दो को तंग नहीं करना

जो बच्चे बाबा के दिलतख़्तनशीन

वो रहते सदा बाबा में लीन

विचार सागर मंथन कर ज्ञान की नई-नई प्याइंटस निकाल सर्विस करनी

बाप की मुरली कभी नहीं मिस करनी

उड़ती कला की निशानी है डबल लाइट

लो बाबा से सम्पूर्ण माईट

हर गुण वा ज्ञान की बात को अपना निजी संस्कार बनाओ

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!